वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 28 | गुरुवार 23 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पांच दिवसीय राजयोगी किड्स समर कार्निवाल शुरू

"सदा खुश रहें, आप सभी परमात्मा की बगिया के चैतन्य फूल हो"

बच्चों के बनाए अलग-अलग ग्रुप, पेंटिंग से लेकर भाषण और खेल-कूद प्रतियोगिताएं होंगी

जयपुर/आबू रोड. शाबाश इंडिया

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शांतिवन परिसर में आयोजित पांच दिवसीय राजयोगी किड्स समर कार्निवाल में देशभर से 1500 से अधिक राजयोगी बच्चे भाग ले रहे हैं। पांच दिन तक बच्चों को राजयोग मेडिटेशन, म्यूजिकल एक्सरसाइज, पेंटिंग, भाषण, रंगोली, दौड़ आदि एक्टीविटीज कराई जाएंगी। कार्निवाल में सभी बच्चे सभी कॉम्पटिशन में भाग ले सकें इसके लिए अलग-अलग ग्रुप बनाए गए हैं। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर आने वाले बच्चों को विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित शुभारंभ समारोह में संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी ने कहा कि आप सभी राजयोगी बच्चे हो। इसलिए आपका दिनचर्या आदर्श दिनचर्या हो। आपको ऐसा बनाना है कि आपको देखकर दूसरे बच्चे आपके आचरण को अपनाएं। कभी भी जीवन में लड़ाई-झगड़ा, मारपीट नहीं करना है। माता-पिता की आज्ञा माननी है। सभी बच्चे परमात्मा के घर में खुशी से, प्रेम से रहें और यहां सभी एक्टीविटीज में उत्साह के साथ भाग लें।

सुबह सबसे पहले परमात्मा को याद करें

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके स्वदेश दीदी ने कहा कि जब शुरूआत में इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय की नींव रखी गई थी तो संस्थापक ब्रह्मा बाबा ने बच्चों के लिए बोर्डिंग स्कूल खोला था। सबसे ज्यादा बाबा बच्चों को रोज याद करते हैं। आप सभी परमात्मा के सितारे हो, चैतन्य फूल हो, मीठे-मीठे बच्चे हो। आप सभी बच्चे भविष्य के भाग्यविधाता बच्चे हो। सुबह उठकर सबसे पहले परमात्मा को याद करें। बाबा को, अपने माता-पिता को गुड मार्निंग कहें। गुड कहते कहते आप सभी गुड बन जाएंगे।

सदा खुद को समझें मैं पवित्र आत्मा हूं

शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष व कार्यकारी सचिव बीके डॉ. मृत्युंजय भाई ने कहा कि देशभर से आए आप सभी बच्चों को देखकर के बहुत प्रसन्नता हो रही है। आप सभी पवित्र आत्मा हो। इसलिए सदा खुद को समझें मैं पवित्र आत्मा हूं, मैं विश्व की मालिक बनने वाली आत्मा हूं, मैं देवता बनने वाली आत्मा हूं। इसलिए सदा खुद को भाग्यशाली महसूस करें। आज सभी संकल्प लें कि अब से कभी गुस्सा नहीं करेंगे। गुस्सा करना अच्छा नहीं है। इससे हमें बहुत हानि होती है। आज से सभी संकल्प करें कि गुस्सा छोड़ेंगे।

झोपड़ी-तबेलों या फिर खुले में नहीं चलेंगे सरकारी स्कूल

शिक्षा विभाग करेगा बिल्डिंग की व्यवस्था

जयपुर. कासं

राजस्थान में नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले ही शिक्षा विभाग एक्टिव मोड में आ गया है। प्राइवेट स्कूलों को दिशानिर्देश देने के बाद अब शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों के लिए भी गाइडलाइन जारी की है। प्रदेशभर में कहीं भी खुले में, झोपड़ी में, पेड़ के नीचे या फिर किसी भी असुरक्षित स्थान पर कोई स्कूल संचालित हो रहा है तो विभाग वैकल्पिक भवन की व्यवस्था करेगा। शिक्षा विभाग की ओर से सभी सरकारी स्कूलों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। गाइडलाइन के बावजूद अगर भविष्य में इस तरह का कोई मामला सामने आता है तो जिला शिक्षा अधिकारी के साथ संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकारी स्कूलों में सफाई अभियान भी शुरू किया जाएगा। इसके तहत बरसात से पहले बंद नालों और छत की सफाई की जाएगी, ताकि बारिश के दौरान स्टूडेंट्स को परेशान न होना पड़े। इसकी मॉनिटरिंग जिला शिक्षा अधिकारी करेंगे।

कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बांधे परिंडे

युवा मोर्चा के अभियान में हुए शामिल, बोले-गर्मी में पक्षियों को पानी की समस्या होती है...

जयपुर. कासं

बीजेपी युवा मोर्चा द्वारा चलाए जा रहे 'एक परिंडा मेरा भी' अभियान के तहत बुधवार को कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने भी बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाए। मंत्री राठौड़ ने झोटवाड़ा विधानसभा के वार्ड 44 स्थित करधनी सेंट्रल पार्क में 101 परिंडे लगाए। इस मौके पर राठौड़ ने युवा मोर्चा राजस्थान के कार्यकताओं की सराहना करते हुए कहा कि पक्षियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करने हेतु 'एक परिंडा

मेरा भी अभियान' एक सराहनीय कदम है। इस गर्मी के दौर में पक्षियों के लिए पानी की बड़ी समस्या हो जाती है। ऐसे में इस पहल से पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था हो सकेगी। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता पूरे राजस्थान में परिंडे लगाकर गैर सामाजिक संस्थाओं (एनजीओ) सामाजिक संस्थाओं, धार्मिक समितियां और इन्फ्लुएंसरों को भी जोड़कर अपने सामाजिक दायित्व का भी निर्वहन कर रहे हैं। इस अवसर पर युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विशाल पार्थ ने बताया कि भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष अंकित गुर्जर चेची के नेतृत्व में संपूर्ण राजस्थान में भाजयुमो कार्यकर्ताओं द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक कार्यकर्ता 44 संगठनात्मक जिलों की 200 विधानसभाओं के 1132 मंडलों में अभियान के तहत 1 लाख से ज्यादा परिंडे लगा चुके हैं।

शिक्षण शिविर बच्चों के जीवन में संस्कारों के बीज रोपण करेगा : श्रीमती सरस जैन

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित जैन संस्कार शिक्षण शिविर में बुधवार को बच्चों को संबोधित करते हुए श्रीमती सरस जैन ने कहा कि इस शिविर में शामिल होने वाले बच्चे भविष्य में धर्म के मार्ग पर चलकर समाज का मार्गदर्शन करेंगे उन्होंने शिविर संचालन के लिए कुमारी राजुल जैन और उनकी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि जीवन में संस्कारों का बहुत बड़ा महत्व है हम अपने बच्चों के लिए क्या छोड़ कर जा रहे हैं यह समझना बहुत जरूरी है। छोटे बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण होना बहुत जरूरी है। क्योंकि इससे भविष्य में बच्चे अन्याय, अनीति, अभक्ष्य आदि चीजों से बचकर सही रास्ते पर आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि संस्कारित बच्चे ही समाज की पूंजी हैं। जैन पाठशालाओं का आयोजन भी इसी कड़ी में सकारात्मक पहल है। उन्होंने नगर के जैन मंदिर में प्रतिदिन चल रही जैन पाठशाला की भी तारीफ करते हुए उनके आयोजकों के साथ-साथ पढ़ने वाले सभी बच्चों की प्रशंसा भी की। शिविर प्रभारी राजुल जैन ने बताया कि सर्व जैन समाज के सहयोग से इस शिविर का नगर में धूमधाम से आयोजन श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर में किया जा रहा है इसमे बच्चों में धर्म संस्कार का बीजारोपण किया जाता है। जिसमें उनको धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ाने हेतु संस्कारों को सिखाया जाता है।

सेक्टर-4 जैन मन्दिर में हुआ उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया। मेडिटेशन गुरू उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज एवं मुनिश्री विश्वसम्य सागर जी महाराज ससंघ ने आगरा के सदर बाजार स्थित श्री दिगम्बर जैन मन्दिर से 22 मई को ढोल नगाड़े के साथ मंगल विहार कर छीपीटोला, प्रतापपुर चौराहा,साई की तकिया, शाहगंज चौराहा, रामनगर की पुलिया,बोदला चौराहा होते हुए अतिशयकारी श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर सेक्टर-4बी पर पहुंचे। इस दौरान सेक्टर-4 सकल जैन समाज ने उपाध्यायसंघ का पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य स्वागत किया। मंगल अगवानी के बाद उपाध्यायसंघ ने मन्दिर में विराजमान मूलनायक अतिशय कारी भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा के साथ सभी प्रतिमाओं के दर्शन किए। इसके बाद भक्तों ने उपाध्याय श्री के मुखारबिंद से उच्चारित मंत्रोच्चारण के साथ प्रभु का स्वर्ण कलशों से अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा की। इस दौरान सेक्टर-4, सेक्टर-7, पश्चिमपुरी,छीपीटोला ग्रेटर कमलानगर, जयपुर हाउस, मारूति स्टेट,सिकंदरा,की सकल जैन समाज ने उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के समक्ष श्रीफल भेंटकर चातुर्मास 2024 हेतु निवेदन किया और मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। मीडिया प्रभारी शुभम-जैन ने बताया कि उपाध्यायश्री विहंसतसागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर सेक्टर-4 में 23 मई को विधान का आयोजन होने जा रहा है। और 24 मई को मेडिटेशन गुरू उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी का अवतरण दिवस समारोह बडे.ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर उमेश जैन,सुशील जैन, मुन्नालाल जैन,डॉ आलोक जैन,मनोज जैन योगी,मुकेश जैन,शुभम जैन, समस्त सेक्टर-4,सेक्टर-7 सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। -रिपोर्ट शुभम जैन

सांगानेर कोर्ट में चुग्गा दाना व परिण्डे बांधे

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन युवा महासभा के तत्वावधान में बुधवार को सांगानेर कोर्ट परिसर में चुग्गा दाना व परिण्डे बांधे। बार के पूर्व अध्यक्ष महावीर सुरेंद्र जैन ने बताया कि परिसर में विभिन्न पेडो पर सांगानेर एडीजे राजपाल सिंह अपर मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट नवनीत कुमार व महानगर मजिस्ट्रेट सौम्य कुमार सिंह ने पक्षियों के चुगे के पात्र व पानी के परिण्डे बांधे तथा अधिवक्ताओं व पक्षकारो को उन्हें भरने की शपथ दिलायी। इस अवसर पर सांगानेर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महासचिव के साथ कोषाध्यक्ष बुद्धिप्रकाश शर्मा पूर्व अध्यक्ष श्रीप्रकाश तिवाड़ी, सुरेंद्र ढाका, हुकमचंद परीक, विजय मामनानी पूर्व महासचिव जे पी शर्मा, राजेश पवालिया, लक्ष्मी नारायण चौधरी, नेमीचन्द सामरिया, विनोद डोवट्या अधिवक्ता अश्विनी मिश्रा, संजय शर्मा, सुरेंद्र जैन, अमित जैन संजय जैन, खेमचन्द सेनी सहित अधिवक्ता व पक्षकार उपस्थित रहे।

गायिका गीताबेन रबारी के भजनों पर झूम-झूमकर नाचे श्रद्धालु

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। स्थानीय श्री गौशाला मार्ग पर स्थित श्री रामलीला कमेटी के मैदान में मंगलवार देर शाम को श्री तारा बाबा चेरिटेबल ट्रस्ट सिरसा के तत्वावधान में मधुर संगीत महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें अहमदाबाद (गुजरात) की प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय श्रीराम भजन गायिका गीताबेन रबारी ने अपनी धमाकेदार प्रस्तुति दी। ऐलनाबाद में किसी भजन गायक की ऐसी जबरदस्त प्रस्तुति कभी नहीं हुई, इस मधुर संगीत महोत्सव ने सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर डाले। श्रद्धालु श्रीराम भजनों पर झूमते रहे। वहां पर सब कुछ राममय बना हुआ था। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सिरसा के विधायक गोपाल कांडा और उनके अनुज व श्री ताराबाबा कुटिया के मुख्य सेवक, वरिष्ठ भाजपा नेता गोविंद कांडा थे। उनके साथ में अन्य सैकड़ों श्रद्धालु भी मस्ती में सराबोर होकर भजनों पर झूमते रहे। गायिका गीताबेन रबारी ने मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे राम आएंगे, सजा दो घर को गुलशन सा मेरे घर राम आये है, जो राम को लाये है हम उनको लाएंगे, हम हिंदू है बब्बर शेर, ये देश है वीर जवानों का, तेरी मिट्टी में मिल जावा जैसे भजनों की ऐसी गंगा प्रवाहित की जिससे वहां सैंकड़ों भगवा ध्वजाएं लहराने लगी जिससे पूरा पंडाल ही भगवान श्री राममय हो उठा और वहां पर उपस्थितजनो ने जय श्री राम, भारत माता की जय, वंदे मातरम, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद व फिर एक बार, मोदी सरकार के गगनभेदी नारे लगाते रहे।

''गुरु उपकार महा महोत्सव''

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का सामुहिक समापन समारोह

अहमदाबाद. शाबाश इंडिया

गुजरात राज्य के अहमदाबाद में दिनांक 10 मई अक्षय तृतीया से 19 मई तक श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर संस्थान के तत्वावधान में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का गुरु उपकार महा महोत्सव के रूप में आयोजन किया गया। श्रमण संस्कृति संस्कार शिविरों का सामूहिक शुभारंभ अक्षय तृतीया के पावन प्रसंग पर श्री 1008 पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ,जैन बाड़ी में परम पूज्य आर्यिका द्वय 105 मति माता जी के पावन सानिध्य में किया गया।इस महा आयोजन में 51 विद्वान और विदुषियो द्वारा 31 स्थानों पर शिविरो का आयोजन हुआ। प्रातः काल से योग, अभिषेक पूजन ,धार्मिक कक्षा ,दोपहर में धार्मिक कक्षा एवम सांय कालीन आरती, जिज्ञासा समाधान, प्रवचन, प्रश्न मंच एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का विधिवत आयोजन कर शिविर को गरिमामयी सर्वांगीण उपलब्धियों के साथ पूर्ण किया।। जिनमे विशेष रूप से आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के व्यक्तित्व कृतित्व और नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाया गया। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान

सांगानेर जयपुर के तत्वावधान में अहमदाबाद के शिविर प्रभारी विद्वत प्रवर पं श्री जितेंद्र शास्त्री के संयोजकत्व में एवं सांगानेर के ख्याति प्राप्त 51 विद्वान और विदुषियों द्वारा पूरे अहमदाबाद में अद्भुत धार्मिक शिविर लगाए गए, जिनमें 5 वर्ष के बच्चो से ले कर 95 वर्ष तक के बुजुर्गों ने हिस्सा लिया। शिविर के मध्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के उत्कृष्ट तप और त्याग को समर्पित उपकार महोत्सव के अंतर्गत दिगंबर परंपरा के महा श्रमण आचार्य श्री 108 विद्या सागर जी महाराज गया।जिसमे अति विशिष्ट आमंत्रित अथिति के रूप में परम आदरणीय प्रतिष्ठाचार्य बा. ब्र. प्रदीप जी भैया जी सुयश का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में भारत वर्षीय शिविर संयोजक उत्तम पाटनी, विनोद मोनू छावड़ा , संत सुधा सागर बालिका छात्रावास की अधिष्ठात्री श्रीमति शीला डोड्या एवम निर्देशिका श्रीमति वंदना उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंगलाचरण धर्म नगर साबरमती के शिविरार्थियों द्वारा किया गया ।कार्यकम का सफल संचालन युवा विद्वत रत्न पं श्री अमित शास्त्री के व्यक्तित्व कृतित्व पर आधारित ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 31मंदिरों पर आयोजित शिविर का ऐतिहासिक रूप से सामूहिक समापन 19 मई को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम वस्त्राल में संपन्न किया

जबलपुर एवम कवि हृदय प्रखर वक्ता पं श्री विकर्ष शास्त्री के द्वारा किया गया। शिविर में उत्तम स्थान प्राप्त करने वाले शिविरार्थियों को आकर्षक पुरस्कारो से सम्मानित किया गया। दिगंबर परंपरा के महाश्रमण आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज ऑनलाइन प्रतियोगिता का परिमाण घोषित किया गया एवम प्रथम द्वितीय तृतीय तथा 10 सांत्वना पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किए। सकल दिगंबर जैन अहमदाबाद समाज द्वारा युवा मनीषी विद्वत प्रवर पंडित जितेंद्र जैन शास्त्री को श्रुत संवाहक मानद उपाधि से अलंकृत किया। समस्त कार्यक्रम सम्यक ज्ञान प्रभावना समिति अहमदाबाद द्वारा धार्मिक ज्ञान लाभ हेतु किया गया।

वेद ज्ञान

जीवन में आध्यात्मिकता

आध्यात्मिकता लोगों में बड़ी जिज्ञासा और रहस्य उत्पन्न करती है। तमाम लोग अभी तक आध्यात्मिकता का सही अर्थ नहीं समझ पाए हैं। ऐसे लोग यही समझते हैं कि आध्यात्मिकता का अर्थ अभाव में रहकर जीवन व्यतीत करना व स्वयं को कष्ट देना है, जबकि सच्चाई इसके विपरीत है। आध्यात्मिकता का संबंध मनुष्य के आंतरिक जीवन से है। आध्यात्मिकता के लिए मनुष्य को अपना घर छोड़ने या शरीर को कष्ट देने की कोई जरूरत नहीं होती। बस उसे अपनी समस्त मानसिक कमजोरियों का त्यागकर और स्वयं को आंतरिक स्तर पर स्थिर करना होता है। इसके बाद उसके भीतर से जो भी आदेश मिले उसे उसका पालन करना होता है। आध्यात्मिकता का मतलब स्वयं को परमसत्ता के सामने पूर्ण रूप से समर्पण कर देना और फिर उसी की प्रेरणानुसार अपने जीवन में विकसित होना है। अपने आप को जान लेना ही है। आध्यात्मिक व्यक्ति को निरंतर परमसत्ता से आंतरिक आदेश मिलता रहता है। आध्यात्मिकता का अर्थ मनुष्य की वे सभी गतिविधियां हैं जो उसे निर्मल बनाती हैं, आनंद से भर देती हैं, पूर्णता का अहसास कराती हैं और स्वयं से उसका परिचय कराती हैं। आध्यामिकता में जो सत्य है उसे ही स्वाभाविक रूप से ग्रहण करना है। आध्यात्मिक व्यक्ति अपने अनुभव से यह जान लेता है कि वह स्वयं अपने आनंद का स्रोत है। वैसे आध्यात्मिकता और धर्म एक दूसरे से संबंधित जरूर हैं, लेकिन इसके बावजूद दोनों में अंतर है। आध्यात्मिकता, सांसारिक भौतिकवाद से ऊपर है जिसकी कोई तुलना नहीं की जा सकती। यह हमारे आंतरिक जिंदगी के विश्वास और चमत्कारों से जुड़ी कड़ी है। यह मानव मूल्य की आधारशिला है जिस पर हम आस्था और भरोसा करते हैं। आध्यात्मिकता यही ज्ञान और समझ हममें विकसित करती है कि सही मायने में हमारे जीवन का उद्देश्य और अर्थ क्या है। हमारा व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण सच्ची आध्यात्मिकता में ही है इसलिए हमें इसकी तलाश करनी चाहिए और उसे ही अपनाना चाहिए। इसके मार्ग पर चलकर हमारा दुख छोटा हो जाता है और हमारी हर मुश्किल आसान हो जाती है। आध्यत्मिकता में समाज और संसार के बीच रहते हुए मन की प्रसन्नता बनी रहती है।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में मतदान ने दिया बड़ा संदेश

जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव में जिस तरह वहां के लोग मतदान के लिए घरों से निकले, उससे साफ हो गया है कि उन्होंने दहशतगर्दों के दबाव की परवाह न करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा जताया है। इस बार के आम चुनाव में जब बहुत सारी जगहों पर मतदान में उत्साह की कमी देखी जा रही है, कश्मीर घाटी से इसमें बढ़ोतरी के आंकड़े वहां के लोगों में लोकतंत्र के प्रति बढ़ते विश्वास का संकेत देते हैं। बारामूला में

अट्ठावन फीसद से ऊपर मतदान हुआ। सोपोर में पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में चार फीसद बढ़ कर इस बार चौवालीस फीसद मतदान दर्ज हुआ। ये आंकड़े ऐसे समय में आए हैं, जब कश्मीर के कई हिस्सों में माहौल अनुकूल नहीं है। मतदान से एक दिन पहले आतंकवादियों ने शोपियां में एक स्थानीय नेता की गोली मार कर हत्या कर दी थी। पहलगाम में भी एक पर्यटक दंपति को निशाना बनाया गया था। आतंकी संगठन लगातार स्थानीय लोगों पर मुख्यधारा की व्यवस्था में हिस्सेदारी से दूर रहने का दबाव बनाते रहे हैं। थोड़े-थोड़े समय पर हो जाते आतंकवादी हमलों से यही लगता था कि दहशतगर्दों को स्थानीय लोगों का समर्थन हासिल है और वे उन्हें पनाह देते हैं। फिर जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद जिस तरह घाटी में लगातार असंतोष नजर आ रहा था, उससे यही आशंका बनी हुई थी कि वहां के लोग चुनावों में उत्साह नहीं दिखाएंगे। शायद यही भय था कि निर्वाचन आयोग ने भी वहां लोकसभा के चुनाव कराने की घोषणा तो कर दी, पर विधानसभा चुनावों को टालना बेहतर समझा। मगर लोकसभा चुनाव में जिस तरह वहां लोग मतदान के लिए घरों से निकले, उससे साफ हो गया है कि उन्होंने दहशतगर्दों के दबाव की परवाह न करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा जताया है। लोग मुख्यधारा व्यवस्था से जुड़ना चाहते हैं। इससे स्वाभाविक ही घाटी और राष्ट्रीय स्तर के सियासी दलों और निर्वाचन आयोग का भी उत्साह बढ़ेगा। इस हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता कि कश्मीर के आम लोग दरअसल अमन चाहते हैं। दहशतगर्दी से उनकी जिंदगी में दुश्वारियों के सिवा और कुछ नहीं आता। आतंकियों और सुरक्षाबलों के टकराव में अक्सर उन्हें अपने रोजी-रोजगार से दूर रहना पड़ता है। सुरक्षा तलाशी और प्रशासनिक सख्ती के चलते हर समय उन्हें एक तरह के खौफ में जिंदगी बसर करनी पड़ती है। इसलिए आम लोग यही चाहते हैं कि खौफ का माहौल खत्म हो, अमन की सूरत बने। चुनाव होंगे, तभी लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू होगी, उनकी बेहतरी के फैसले किए जा सकेंगे, यह बात वे अच्छी तरह जानते हैं। सिर्फ कुछ अलगाववादी ताकतें और सियासी लोग मसलों को उलझाए रखना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा सीटों के लिए परिसीमन पूरा हुए काफी समय बीत चुका है। तमाम राजनीतिक दल वहां लंबे समय से स्थगित लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली की मांग उठाते रहे हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

चुनावी दखल

वे दिन गए, जब अमेरिका की चर्चित खुफिया एजेंसी सीआईए सीधे ही दूसरे देशों में हो रहे चुनावों में पैसा लगाती थी। वास्तव में छोटे देशों को छोड़कर ये तरीके बिल्कुल कारगर साबित नहीं हुए थे। भारत में तो यह कभी नहीं चलने वाला, चाहे कितने ही बेहतरीन प्रयास क्यों न किए जाएं। फिर भी इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे चुनावों में हस्तक्षेप करने की कोशिशें नहीं की जा रही हैं। सवाल है कि ये लोग कौन हैं और उनकी मंशा क्या है? हमारे चुनावों में हस्तक्षेप करने वाले लोगों का पहला और सबसे शक्तिशाली समूह स्पेकुलेटिव- इंवेस्टर्स का है। इनमें जॉर्ज सोरोस जैसे हेज फंड मैनेजर्स का नाम लिया जा सकता है। मानवाधिकारों और लोकतंत्र के प्रति अपने घोषित समर्थन के बावजूद उनकी प्राथमिकता अपने मुनाफों पर रहती है। उनके लिए ''मानवाधिकार'' शब्द देशों में अस्थिरता फैलाने का एक उपकरण है- क्योंकि जितना अधिक अस्थिर देश होगा, उसमें उतनी ही अधिक अराजकता, प्रणालीगत त्रुटियां, रिश्वतखोरी आदि होगी। उन्हें इकोनॉमी क्रैश से मुनाफा होता है। भारत उन अर्थव्यवस्थाओं में से है, जिससे वे लाभ कमाना चाहते हैं, लेकिन ऐसा करने में अभी तक विफल रहे हैं। यही कारण है कि सोरोस और पियरे ओमिडयार जैसे लोग नियमित रूप से अराजकतावादी न्यूज-आउटलेट और गैर सरकारी संगठनों में निवेश करते हैं- मुख्य रूप से ऐसे दीर्घकालिक नैरेटिव को बनाए रखने के लिए, जो स्थिरता कायम रखने में सक्षम किसी भी राजनेता या पार्टी की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाते हों। दूसरे तरह के लोग विदेशी उद्योगपति- विशेष रूप से बड़े तकनीकी प्लेयर्स हैं। उनकी प्रेरणाएं अपने एकाधिकार को कायम रखने की हैं। निश्चित रूप से अमेजन भारत में बहुत पैसा कमाता है। लेकिन मार्केट पर उसका एकाधिकार है, क्योंकि फ्लिपकार्ट इतना आगे नहीं बढ़ सका है और ईबे फैशन से बाहर है। ऐसे में उसके मालिक जेफ बेजोस भारत पर निशाना साधने के लिए वॉशिंगटन पोस्ट का उपयोग क्यों करते हैं? मार्क जकरबर्ग का फेसबुक और इंस्टाग्राम सरकार समर्थक सामग्री को क्यों सेंसर करता रहता है और अराजकतावादियों को क्यों बढ़ावा देता है? गूगल अपनी सर्च और अपने सहायक यूट्यूब पर एक जैसे कंटेंट को प्राथमिकता क्यों देता है? इन सब सवालों का जवाब बहुत सरल है। अपने जीवनकाल में हमने तकनीक और सेवाओं दोनों को बढ़ते और अप्रचलित होते देखा है। जब हम बड़े हुए तो हमें मोबाइल फोन पेश किए गए और रातों-रात नोकिया और एरिक्सन घर-घर में पहचाने जाने वाले नाम बन गए। लेकिन हमने अपने जीवनकाल में ही इन कंपनियों को ध्वस्त होते भी देखा है। इसी तरह हॉटमेल और याहू जैसी मेल सेवाएं, अल्टा विस्टा जैसे सर्च इंजन, ऑर्कुट और आईसीक्यू जैसे सोशल मीडिया भी गायब हो गए। क्यों? क्योंकि स्थिर और नियमित दुनिया में इनोवेशन की गति तेज और क्रूरतापूर्ण होती है। जबकि टेक दिग्गज बेदखल होने से बचने के लिए अस्थिरता को बढ़ावा देते हैं और इनोवेशन की गति को धीमा करते हैं। ट्विटर, फेसबुक, यूट्यूब, अमेजन (जो एडब्ल्यूएस के माध्यम से वेब होस्टिंग को नियंत्रित करता है) और गूगल ने इसे अमेरिकी चुनावों में सफलतापूर्वक कर दिखाया था। लेकिन उन्हें भारत में अभी तक सफलता नहीं मिली है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा रेलवे स्टेशन पर निशुल्क जल सेवा का आयोजन

नि :स्वार्थ भाव से प्लेटफॉर्म पर उतरने वाले यात्रियों को पिला रहे नि :शुल्क ठंडा पानी

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

भीषण गर्मी के मौसम में जहां लोग ऐ सी और कूलर के सामने से हटने का नाम नहीं लेते हैं वही दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के नौजवान सदस्य यहां रेलवे स्टेशन पर बहुत ही सेवा भाव के साथ भीषण गर्मी से बिहार रेल यात्रियों को ठंडा जल पिलाकर उनका गला तर कर रहे हैं। यहां रेलवे स्टेशन पर शाम को यात्री गाड़ियों के आगमन के समय ह्याठंडा पानी पीयो, आओ-आओ ठंडा पानी इधर है ह्न ये आवाजें रेलवे स्टेशन पर सुनाई देना इन दिनों आम बात है, यहां कुछ लोग निःस्वार्थ भाव से प्लेटफॉर्म पर उतरने वाले यात्रियों को मान मनुहार कर पानी पिलाते हैं। इस भीषण गर्मी में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के निःशुल्क जल सेवा के करीब 20- 30 सदस्य रोजाना शाम को 6:00 से 10:00 तक बजे तक ठंडे पानी का टैंक लेकर हर कोच तक जाकर यात्रियों को निःशुल्क ठंडा पानी पिलाते हैं।। जल सेवा संयोजक नरेंद्र जैन नृपत्या ने बताया कि प्लेटफार्म पर ट्रेन केवल कुछ मिनट ही रूकती है, जिससे यात्रियों के लिए कई बार ये संभव नहीं हो पाता कि वे उतरकर पानी भर सकें। इसलिए इस सुविधा को शुरू किया गया है। निःशुल्क जलसेवा से मिलता सुकून- दिगंबर जैन सोशल ग्रुप निःशुल्क जल सेवा के अध्यक्ष केके जैन,

महामंत्री अभिनंदन जैन ने बताया कि प्रतिदिन शाम को ग्रुप के दर्जनों सदस्य जिनमें महिला पुरुषों बच्चे शामिल है। प्लेटफार्म पर आ जाते हैं और रात करीब 10 बजे के आसपास घर लौटते हैं। जैसे ही प्लेटफार्म पर ट्रेन आती है सभी सदस्य कोचों में जा जाकर यात्रियों से ठंडे पानी पीने की मनुहार करते हैं। यात्री भी पानी पीकर खुद को रिलेक्स महसूस करते हैं। इस सेवा में जैन समाज के साथ-साथ शहर की दूसरे सामाजिक संगठन एवं समाजसेवी लोग भी जल सेवा में आकर अपने हाथों से गर्मी से बेहाल रेल यात्रियों को जल पिलाकर खुशी महसूस करते हैं। जल सेवा के संयोजक नरेंद्र जैन नृपत्या बताते हैं कि यह जनसेवा गंगापुर सिटी में लगातार 15 वर्षों से चल रही है। एवं दिगंबर जैन सोशल के द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों में सबसे बड़ा सामाजिक प्रकल्प भी है। पश्चिम मध्य रेलवे में 45 स्टेशनों पर सामाजिक संगठनों द्वारा की जा रही है जल सेवा- उल्लेखनीय की इस वर्ष रेल प्रशासन के आग्रह पर पश्चिम मध्य रेलवे के 45 स्टेशनों पर विभिन्न सामाजिक एवं सरकारी संगठनों द्वारा गर्मी के मौसम में निशुल्क जल सेवा की जा रही है जिम जबलपुर में 15 स्टेशनों पर भोपाल में 16 स्टेशनों पर और कोटा मंडल के कोटा सवाई माधोपुर हिंडौन गंगापुर निमोद भरतपुर बयाना रामगंज मंडी भवानी मंडी सुभाष राज चोमहेला विक्रमगढ़ आलोट बांरा, बूंदी आदि 14 स्टेशनों पर सामाजिक वह सरकारी संगठनों द्वारा रेल यात्रियों के लिए जल सेवा अभियान चलाया जा रहा है। रेल यात्रियों की बोतलों में शीतल जल भरा जा रहा है एवं उनको पीने के लिए भी जल उपलब्ध कराया जा रहा है। रेल प्रशासन की कोशिश है कि इस भीषण गर्मी में कोई भी रेल यात्री पानी के कारण परेशान ना हो। इसके लिए रेलवे प्रशासन द्वारा पूरा सहयोग किया जा रहा है।

आचार्य चैत्य सागर जी महाराज ससंघ का आज लाडनूं में मंगल प्रवेश

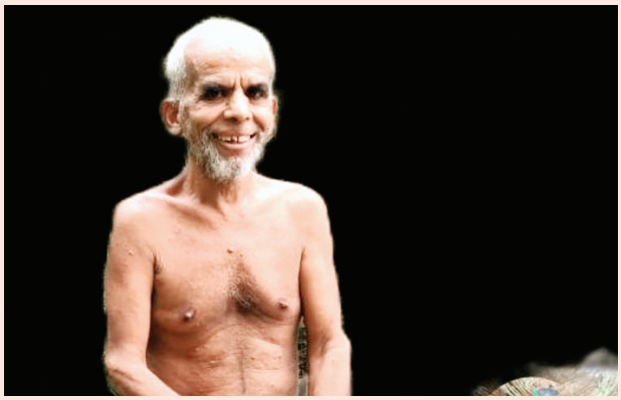

लाडनूं. शाबाश इंडिया

सर्वांग भूषण आचार्य श्री चैत्य सागर जी महाराज का संघ सहित लाडनूं में मंगल प्रवेश आज 23 मई को होने जा रहा है। आचार्य श्री संघ सहित गाजे-बाजों के साथ शोभायात्रा के रूप में सुखदेव आश्रम मंदिर से चंद्रसागर स्मारक मंदिर व बगड़ा मंदिर के दर्शन करते हुए बड़ा मंदिर में प्रवेश करेंगे। आचार्य संघ की लाडनूं में उपस्थिति के दौरान अनेक धार्मिक अनुष्ठान व कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। आचार्य संघ के आगमन की सूचना से पूरे लाडनूं की दिगंबर जैन समाज में श्रद्धा, भक्ति व उत्साह का माहौल है। कुचामन से लाडनूं हो रहे संघ के विहार व आहार चर्या में शंभु जैनाग्रवाल भागचंद जैनाग्रवाल अरुण जैनाग्रवाल रूबल बड़जात्या रजनीश मच्छी आतम जैनाग्रवाल दीपक सेठी, मोहित जैनाग्रवाल, सिद्धार्थ बड़जात्या, ताराचंद अग्रवाल, गोपाल जैनाग्रवाल, ऋषभ गोधा, अरिहंत सेठी(इलू), भाविक पांड्या ऋषि सेठी, पुलकित गोधा ,हिमांशु सेठी ललित गंगवाल, संतोष गंगवाल, सेमल जैन, दर्शन जैनाग्रवाल, किरण बड़जात्या, दीपा गोधा, अनिता गोधा, सुशीला कासलीवाल, चंदा देवी जैनाग्रवाल, निर्मला देवी जैनाग्रवाल, कुसुम सेठी सहित समाज के श्रावक बड़ी संख्या में सम्मिलित रहे।

जिला अंधता नियंत्रण सोसायटी, संस्था के आर्थिक सहयोग से
तथा
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थय अधिकारी (प्रथम) जयपुर की स्वीकति से
जयपुर कैलगिरी आई हॉस्पिटल, जयपुर द्वारा एवं
जयपुर जैन सभा समिति, जयपुर द्वारा आयोजित
निदान सेवा संसथान, जयपुर के तत्वाधान में
259वां नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैन्स प्रत्यारोपण शिविर
शिविर स्थल : श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, 342-43, चौड़ा रास्ता, जयपुर
रविवार, दिनांक 26 मई 2024
समय - प्रात: 10.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक
प्रिय बन्धुओं
आपको यह जानकर हर्ष होगा कि आपके चौडा रास्ता में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें केलगिरी आई हॉस्पिटल जयपुर के वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक आंखों की जांच करेंगे तथा मोतियाबिन्द ऑपरेशन योग्य मरीजों को अस्पताल में ले जाकर नि:शुल्क ऑपरेशन करेगें।
सुविधाऐं:-
• आँखों की मुफ्त जाँच, दवा, मोतियाबिन्द ऑपरेशन एवं लैंस प्रत्यारोपण।
• शिविर में मोतियाबिन्द के मरीजों को भर्ती किया जायेगा।
• भर्ती किये जाने वाले रोगियों को नि:शुल्क दवाईयाँ, भोजन व चश्में प्रदान किये जायेगें।
• जरुरत मंदो को नज़र के चश्मे प्रदान किये जाते है.
विशेष निर्देश
• आधार कार्ड एवं मतदाता पहचान पत्र या उनकी फोटोकॉपी साथ लावें एवं एक मोबाइल नंबर साथ लाएं
• नेत्र रोग से सम्बन्धित सभी पुरानी पर्चियाँ साथ लायें।
• शिविर निश्चित समय 1 बजे समाप्त हो जायेगा। अत: समय पर आने का विशेष ध्यान रखें।
जयपुर कैलगिरी आई हॉस्पिटल
फोन : 2521384, 2520991
मुख्य चिकित्सा एवं
स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर
Website : www.nidan.com
NIDAN
निदान सेवा संस्थान, जयपुर
मो. : 9460189191, 9413972073
आयोजक : जयपुर जैन सभा समिति
संपर्क
सुनीला जैन - 9950846368
आनंद बगड़ा - 9829011556
रवि प्रकाश जैन - 9414074872
मीना बगड़ा - 9001317375
नवीन बिल्टीवाला - 8764429470
मनोज बगड़ा - 9413966945
विजया बगड़ा - 7014663426
विकास जैन - 9828479780
सुदीप बगड़ा - 9829433096
।। पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ ।। ।। पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ ।। ।। पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ ।।

वरिष्ठ जन के लिए शिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

इंदौर. शाबाश इंडिया। नेमी नगर जैन कॉलोनी में दिगम्बर जैन श्रमण संस्थान सांगानेर के माध्यम से वरिष्ठ जन हेतु शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्वलन मंगला चरण एवं मंगल कलश की स्थापना के साथ हुअ ।समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि सांगानेर से पधारे विद्वान द्वय पंडित राजेंद्र जैन शास्त्री तथा पंडित अरमान जैन शास्त्री के माध्यम से दीप प्रज्वलन समाज अध्यक्ष कैलाश लुहाड़िया, महा मंत्री गिरीश पाटोदी, सह मंत्री पवन गुना वाले, कोशलिया पतंगिया , महा समिति अध्यक्ष श्रीमति उर्मिला दोषी , शिविर संयोजक श्रीमति रेखा पतंगिया, प्रतिभा अजमेरा तथा निर्मला पाटोदी, श्वेता काला, ने किया । तत्पश्चात श्रीमति किरण बड़जात्या ने सुन्दर सा मंगला चरण कर सभी का मन जीत लिया। तत्पश्चात विद्वान दय का स्वागत समाज के गण मान्य लोगो ने किया मंगल कलश पुण्यार्जन के माध्यम से महिला महासमिति अध्यक्ष श्रीमति उर्मिला ललित दोषी ने मंत्रोचार के माध्यम से किया ।समाज मंत्री गिरीश पाटोदी ने शिविर की आवश्यकता पर प्रकाश डाल सभी श्रावक श्रेष्टि को शिविर में शामिल होने का निवेदन किया। अध्यक्ष लुहड़ियाजी ने विद्वानों के बारे मैं जानकारी प्रदान कर सांगानेर संस्थान की विशेषता बताते हुए कहा कि यह नेमिनगर जैन सकल समाज का पुण्योदय है कि यह शिविर आधुनिकता लिये हुए यहाँ आयोजित हो रहा है। शिविर संयोजक श्रीमति रेखा पतंगिया ने शिविर के आयोजन पर समाज को धन्यवाद प्रेषित करते हुए समाज जनो से निवेदन करते हुए शिविर कि विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की ।

रानीला के अतिशय युक्त आदिनाथ का अभिषेक कर महिलाओं ने मंगल नृत्य किया

वागड़ की सुख समृद्धि की कामना की

रानीला. शाबाश इंडिया। वागड़ क्षैत्र बांसवाड़ा डुंगरपुर अष्टापद यात्रा संघ के 91यात्रियों ने आज हरियाणा स्थित रानीला के अतिशयकारी आदिनाथ भगवान का जलाभिषेक कर वागड़ क्षैत्र में सुख,समृद्धि, शांति एवं अच्छी वर्षा हेतु मंगल कामनाएं की। यात्री दल के अजीत कोठिया ने बताया की प्रातः पृथ्वीराज जैन, गिरीश जैन, उमेश जैन, मोहनलाल जैन, अशोक बंडी, अजीत कोठिया, प्रवीण जैन, अजित नागदा, अनील जैन, मोहनलाल जैन, शांतिलाल जैन, कनकमल जैन, जयंती लाल जैन, खुशिलाल जैन, रमनलाल जैन, मणिलाल जैन अमृत लाल जैन, लक्ष्मीलाल रामगढ़ तथा प्रवीण तोगड़िया जैन कलिंजरा ने स्वर्ण एवं रजत कलशों से प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव आदिनाथ भगवान की चमत्कारी प्रतिमा का जलाभिषेक किया। उल्लेखनीय है वर्ष 1991मे एक खेत से ये मूर्ति प्रकट हुईं थी जहां पर एक विशाल मंदिर निर्मित किया गया। मन्दिर के समीप ही उत्खनन स्थल पर आदि प्रभु के चरण चिन्ह उकेर कर जिनालय बनाया गया । यात्रा दल की पुष्पा जैन, अंशुमाला जैन, लता जैन, कुसुम कोठिया, सरोज जैन, प्रमिला बंडी, संगीता जैन, शकुंतला जैन, मधुकांता जैन, दिया जैन,सूर्या जैन, लक्ष्मी जैन तथा कंचन जैन मंदिर ने भक्ति नृत्यों से वो समा बांधा की रानीला मे उपस्थित यात्री एवं श्रावक श्राविकाओं को भी झूमने पर मजबूर कर दिया।

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर पर शिविर में बच्चो ने अभिषेक किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर महिला प्रथम संभाग की अध्यक्ष तारा मणि गोधा ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृत संस्थान सांगानेर के अन्तर्गत संचालित संत श्री सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के सहयोग से श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर पर शिविर बहुत अच्छे से निरन्तर चल रहा है। शिविर के अन्तर्गत आज बच्चो ने अभिषेक किये बाद में विदुषी दीदी कुमारी खुशबु व आस्था दीदी ने बच्चो को जिनेन्द्र देव की अष्ट द्रव्य का महत्व बताते हुए बहुत ही भक्ति भाव से पूजा करना सिखाया।

छोटी काशी में नृसिंह लीला महोत्सव

खंभ फाड़ प्रगट हुए भगवान, मंत्रोच्चार के साथ हुई पूजा-अर्चना

जयपुर। भगवान विष्णु के अवतार भगवान नृसिंह का दो दिवसीय लीला महोत्सव जयपुर के चौड़ा रास्ता स्थित ठिकाना ताड़केश्वर मंदिर में मनाया गया। इस दौरान शहर के अन्य नृसिंह मंदिरों में भी भगवान नृसिंह की मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना की गई। चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर महादेव सहित अन्य मंदिरों में नृसिंह लीला महोत्सव मनाया गया।

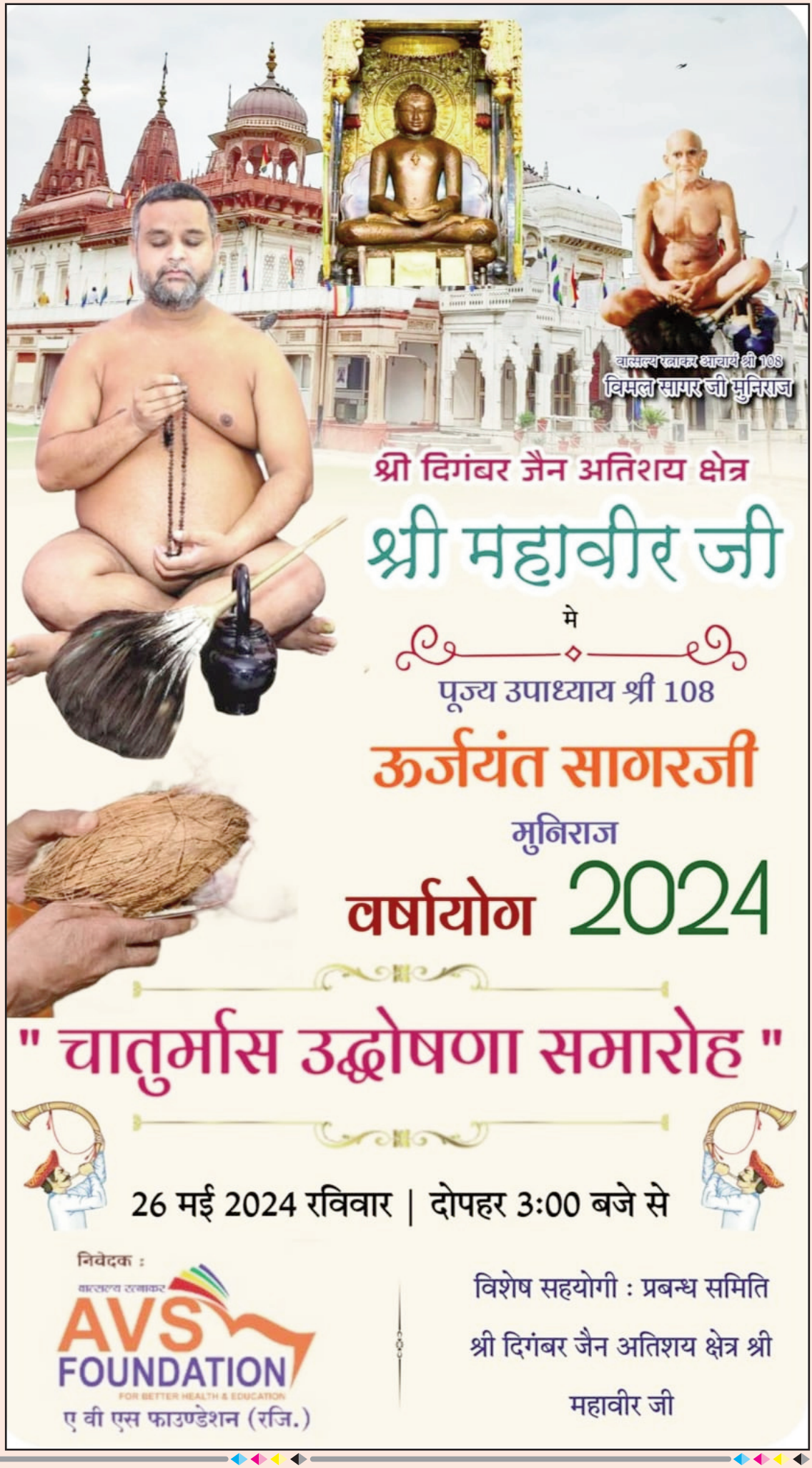

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से

अपनी आदतों के अनुसार चलने में, इतनी गलतियाँ नहीं होती..
जितनी दुनिया का ख्याल और लिहाज रखकर चलने में होती है..!

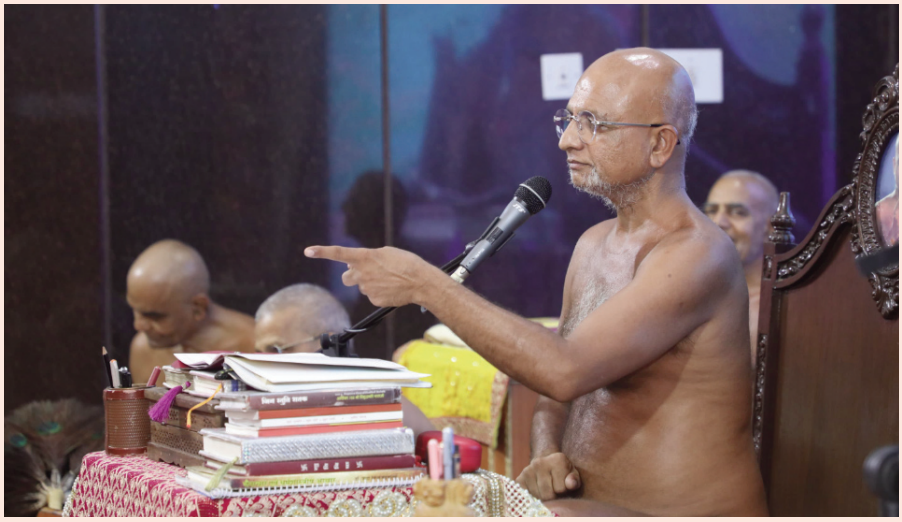

स्वयं को सुधारने का मार्ग है सन्यास। दीक्षा या सन्यास सिर्फ वेश परिवर्तन का नाम नहीं है। बल्कि यह तो भाव परिवर्तन का पुरूषार्थ, आत्म ज्योति के दीप के दीपित होने का पावन पुनीत अवसर, पशुता के भावों के क्षपण का उपक्रम, परिणामों का परिवर्तन और दीक्षित परिणामों का सदैव सुमिरन का सर्वोत्तम प्रसंग है। दीक्षार्थी या सन्यासी हर पल आत्मालोचना का अन्तःकरण से उद्भूत अभ्यास, यह चिन्तन करता है कि यदि किन्चित भी विकृति हो जाये मन में, तो उसी क्षण ही हो जाये, विकृत भाव का परिमार्जन/ संशोधन के साथ पुरूषार्थ की कलिकाल की यह साधना मुक्ति प्रदायक होगी, भव भव का यह पुरूषार्थ कभी व्यर्थ नहीं जायेगा। जन्म-मृत्यु के चक्र जाल से मुक्त होगी और विहार करेगी स्वतन्त्रता के उन्मुक्त गगन में। दीक्षार्थी साधक की सम्यक्त्व को समर्पित सच्ची भावना का उपादान और दीक्षा प्रदायक गुरू का अनुग्रह दोनों का जब युग्म होता है, तब दीक्षा सम्पन्न होती है। शिष्य की सुषुप्त शक्ति को जगाने का निमित्त सृजित होता है। दीक्षा के समय दीक्षार्थी को उतना पता नहीं चलता कि इस रूपांतरण से क्या मिला है-? परन्तु जब दीक्षार्थी रत्नत्रय की साधना में रमता है, वीतराग की भक्ति के भजन से, मन आँगन को सींचता है, अपने सच्चे श्रद्धान को आत्म-स्वरूप के चिन्तन-मनन में समर्पित करता है,, तब दीक्षा पनपती है, समृद्ध होती है और प्रस्थान करती है देह से विदेह की साधना पथ पर। सिर मुण्डन, कैशलोंच के साथ, मन का मुण्डन भी होता है। इन्द्रियों को वश में किया जाता है एवं वस्त्र त्याग के साथ साथ, विकारों को पूर्ण रूपेण हटाया जाता है...! **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

तीये की बैठक

हमारे पूज्यनीय श्री नरेश काला पुत्र स्व. श्री धीरेन्द्र कुमार काला का स्वर्गवास 21.05.2024 को हो गया। तीये की बैठक 23.05.2024 को प्रातः 9 बजे तोतूका भवन, भट्टारक जी की नसियां पर रखी गई है।
शोकाकुल: पुष्पा काला (माता), प्रेमचन्द-उगन्ता, वीरेन्द्र-सुशीला, अशोक- आशा, त्रिशला (ताऊ-ताई), मनोज-अम्बिका (भाई -भाभी) निशा-अमित बाकलीवाल (बहन -बहनोई), उमेश, दीपक-राज, राकेश, राजेश-अनिता, राजीव-शचि (भाई -भाभी), इतिशा- कपिल नाहर (पुत्री-दामाद), रिया (पुत्री) वरूण- दीक्षा, अनन्त-प्रतिका, मेघा, पलक, प्रणव, विभोर, उर्वी एवं समस्त काला परिवार
ससुराल पक्ष: संतोष चंद , विनीत गोदिका एवं समस्त गोदिका परिवार।

करो योग्य को वोट...

मत उनको ही दीजिए, रखें सभी का ध्यान।
होता है अनमोल मत,इसकी कीमत जान।।

रिश्ते नाते छोड़कर, करो योग्य को वोट।
बिना डरे सब वोट दो, कभी न लेना नोट।।

फर्ज समझकर कीजिए, बढ़-चढ़कर मतदान।
होता है हर वोट से, प्रजातंत्र बलवान।।

अवसर आया आपका, कर लें खूब विचार।
समझें खुद, समझाइये, ये मत का अधिकार।।

बहुरूपिय इर्द-गिर्द हैं, बदले अपना वेश।
किसी जाति या धर्म से, पहले समझे देश।।

लोभ मोह की बात पर, करना नहीं निवेश।
देश हित मतदान करो, बदलेगा परिवेश।।

सबसे ऊपर राष्ट्र है, जाग समय है शेष।
नेता ऐसा चाहिए, रोज न बदले भेष।।

आओ लें प्रण हम सभी, करें नहीं इंकार।
करें सभी उपयोग मत, बने सही सरकार।।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com